

वस्तुनिर्देश पुं. (तत्.) नाट्य. नाटकों के प्रारंभ में किए जाने वाले मंगलाचरण जिसमें नाट्यकथा का भी आभास होता है।

वस्तुनिष्ठ वि. (तत्.) जिसमें वस्तुपरकता हो, विषयनिष्ठ। objective

वस्तुनिष्ठ परीक्षण पुं. (तत्.) शिक्षा. एक ही निश्चित और उचित उत्तर वाले प्रश्नों से किया जाने वाला परीक्षण, शिक्षा क्षेत्र में प्रायः आजकल विद्यार्थियों के बुद्धि कौशल का परीक्षण इसी प्रकार के प्रश्नों से किया जाता है जिसे 'आब्जेक्टिव टेस्ट' कहा जाता है। objective test

वस्तुनिष्ठता स्त्री. (तत्.) किसी तथ्य को वास्तविक रूप में देखने और क्रिया करने का भाव।

वस्तुपरक वि. (तत्.) जो मन और इंद्रिय द्वारा गृहीत तत्व से संबंधित हो, वस्तुनिष्ठ।

वस्तुरचना स्त्री. (तत्.) काव्यशास्त्र में काव्य, नाटक आदि की कथा का विकास।

वस्तुवाद पुं. (तत्.) दर्शन. दृश्य जगत् को सत् मानने का सिद्धांत, भौतिकवाद, (वेदांतदर्शन में 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' इस सिद्धांत की मान्यता है)।

वस्तुविनिमय पुं. (तत्.) अर्थ. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु को देकर किया जाने वाला व्यापार, जिस व्यापार में धन न देकर वस्तु का ही लेन देन हो। barter

वस्तुशून्य वि. (तत्.) जिसमें वस्तु या पदार्थ न हो, जो वास्तविकता रहित हो, बनावटी।

वस्तुस्थिति स्त्री (तत्.) वास्तविकता, दशा या स्थिति।

वस्त्र पुं. (तत्.) कपड़ा, वसन, परिधान, शरीर ढकने के लिए पहनने वाले कपड़े।

वस्त्रग्रंथि स्त्री. (तत्.) 1. धोती या बिना सिला वस्त्र पहनने में लगाई जाने वाली गाँठ जो वस्त्र को स्थिर रखने के लिए नाभि के नीचे लगाई जाती है 2. धोती या लुंगी में कमर पर लगाई

जाने वाली गाँठ 3. कमर में नाड़ा बाँधने की गाँठ।

वस्त्र चित्रण पुं. (तत्.) एक या अधिक रंगों में वस्त्रों को रंगना या रंग-बिरंगा करना। (प्रायः कुटीर उद्योग में सफेद कपड़ों पर लकड़ी के बने साँचे से रंग-बिरंगा बनाने की चित्रण कला से यह कार्य संपन्न होता है, अब मशीनों से भी यह काम होने लगा है।

वस्त्रपूत वि. (तत्.) वस्त्र से पवित्र किया हुआ या छाना हुआ, (प्रायः वस्त्र से छाने हुए पानी के पीने की बात कही जाती है, "वस्त्रपूतं जलं पिबेत्" की उक्ति इस संबंध में प्रसिद्ध है।

वस्त्रभवन पुं. (तत्.) 1. कपड़ों का भवन या दुकान, वस्त्रालय 2. वस्त्र से बना घर या तंबू, खेमा।

वस्त्रांचल/वस्त्रांत पुं. (तत्.) 1. वस्त्र का आँचल या छोर (किनारा) 2. कपड़े का अंतिम हिस्सा।

वस्त्रागार पुं. (तत्.) वस्त्रों का भंडार, अनेक प्रकार के वस्त्रों का आलय या दुकान, वस्त्रों से बना तंबू का खेमा।

वस्त्राभूषण पुं. (तत्.) वस्त्र और आभूषण, (प्रायः कपड़े और गहने संयुक्त रूप से किसी विशेष अवसर पर उपहारस्वरूप लोगों को दिए जाने की परिपाटी है)।

वस्त्रावरण पुं. (तत्.) वस्त्र (कपड़े) का आवरण या आच्छादन, कपड़े की लपेट वि. कपड़े का खोल या डिब्बा जो पुस्तक के आवरण के रूप में प्रयुक्त हो।

वस्त्वर्थ अव्य. (तत्.) वस्तु के प्रयोजन की या वस्तु के लिए।

वस्ल पुं. (अर.) 1. प्रेमी व्यक्ति और प्रेमिका का संयोग 2. मिलन।

वहँ क्रि.वि. (तद्.) वहाँ या वहाँ से, उस स्थल से।

वह' वि. (तत्.) (समस्त पद के अंत में प्रयुक्त होकर) ढोने वाला या वहन करने वाला (अर्थ प्रकट करता है)।